p>Title: Regarding alleged involvement of Shri U.N. Biswas, Joint Director of CBI, in illegal drug-trafficking.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष जी, 16 अप्रैल को कलकत्ता में सीबीआई के जाइंट डायरैक्टर, डा.यू.एन. बिसवास के घर में नार्कोटिक कन्ट्रोल ब्यूरो ने छापा मारा। महोदय, यह छापा उन्होंने अपने मन से नहीं मारा है। अमेरिका, चीन, एफबीआई और इन्टरपोल ने भारत सरकार को सूचना दी थी कि वहां पर बरसों से मादक द्रव्यों, हैरोइन बनाने और स्मगलिंग का कारोबार हो रहा है। डा.यू.एन. बिसवास भारत सरकार के चहेते आफिसर हैं, जिनको बार-बार एक्सटैंशन देकर स्पैशल डायरैक्टर बनाया गया है। यह केवल इसलिए कि वे श्री लालू यादव को नाजायज ढंग से गिरफ्तार करके, आरोपित करके जेल में बन्द करें। इसके पुरस्कार में उनको प्रमोशन मिला है और संरक्षण मिला है तथा एक्सटैंशन मिला है। इसी चहेते सीबीआई आफिसर के यहां पिछले पांच वर्षों से एक विदेशी रह रहा था। नियम है कि अगर कोई विदेशी रहेगा, तो सरकार को सूचना दी जाएगी। उन्होंने मिजोराम के एक चतुर्थ वर्गीय मस्टर रोल के कर्मचारी का जाली कागज दिखा दिया। इस बारे में ट्रिब्यून में जो प्रकाशित हुआ है, वह मैं सदन को पढ़कर सुनाना चाहता हूं। Shri N.C. Patra, the Assistant Director, Narcotic Control Bureau has said:

> "They had concrete evidence of the involvement of Shri Biswas in the drug racket but he has not been arrested due to certain formalities. He hinted that the former Joint Director could be arrested any time and the Police has been told to keep his movement under observation."

महोदय, जब उसने अंडरग्राउंड होकर दिल्ली में श्री जार्ज फर्नान्डीज के घर में शरण ली तो श्री जार्ज फर्नान्डीज ने आडवाणी जी के यहां पैरवी की कि यह एक चहेता अफसर है, इसने श्री लालू यादव को फंसाया है, इसे पुरस्कार मिलना चाहिए। उसे बचाने का काम प्रत्यक्ष रूप से भारत सरकार और मंत्री लोग कर रहे हैं। मैं मांग करता हूं कि इस मामले की छानबीन की जाए। उसने विदेशी लोगों को अपने यहां रखा। घर में कोई तरकारी बनती है या जब उसे छोंका जाता है तो घर के सभी लोग यह जान लेते हैं कि क्या बन रहा है और वह उन्हें खाने को भी मिल जाती है। पांच वर्षों तक आला अफसर के घर में हेरोइन का कारोबार होता रहा और फिर भी उसे गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है बल्कि गवाह बनाने की साजिश हो रही है। यह एक गम्भीर मामला है। सीबीआई के नामी अफसर के घर में यह कुकृत्य हो रहा था और भारत सरकार उसे पुरस्कार दे रही है। इस बारे में सरकार का बयान आना चाहिए वरना फिर से यह सवाल यहां उठाया जाएगा।

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2 P.M.

13.16 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fourteenof the Clock.